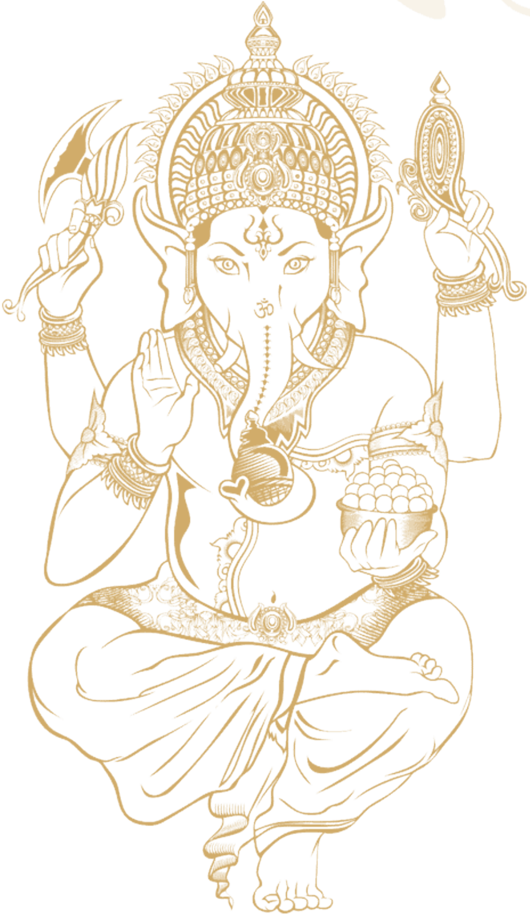

Praveen

04 Sep 1991

10:00 AM

Allahabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121196902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/1991**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	10:39:45 घटी
स्थान	**Allahabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:57:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:45 घंटे
साम्पातिक काल	08:48:32 घंटे
सूर्योदय	05:44:05 घंटे
सूर्यास्त	18:19:13 घंटे
दिनमान	12:35:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:24:58 सिंह
लग्न के अंश	13:54:10 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:54:10	316:28:27	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			सिंह	17:24:58	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	19:30:27	14:25:20	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			कन्या	08:07:46	00:38:42	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			सिंह	00:12:29	00:30:16	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	04:31:35	00:12:57	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	28:56:01	00:21:41	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	07:12:41	00:02:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु			धनु	23:54:02	00:00:23	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु			मिथु	23:54:02	00:00:23	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:11:10	00:00:45	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:22:24	00:00:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:12:26	00:01:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	15:56:57	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:44

लग्न-चलित

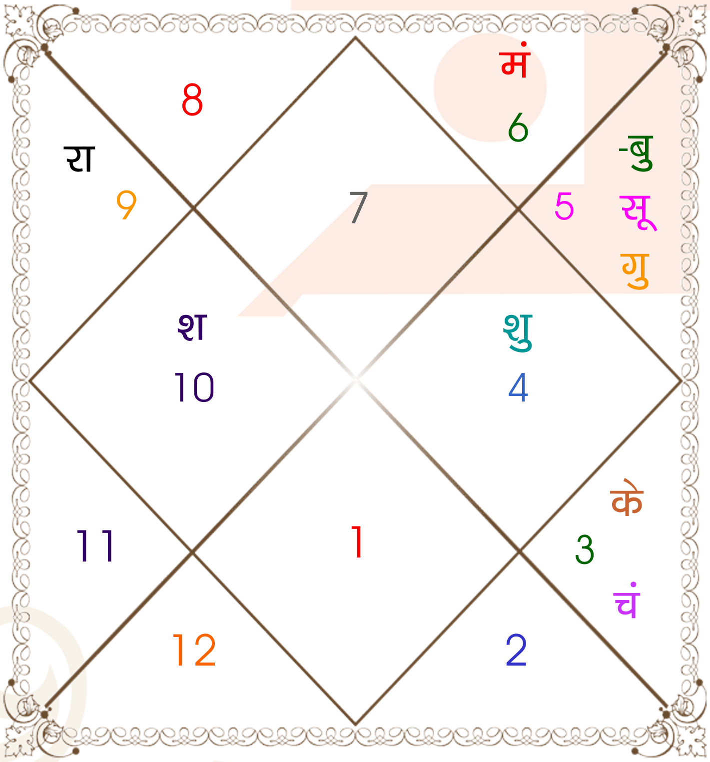

चन्द्र कुंडली

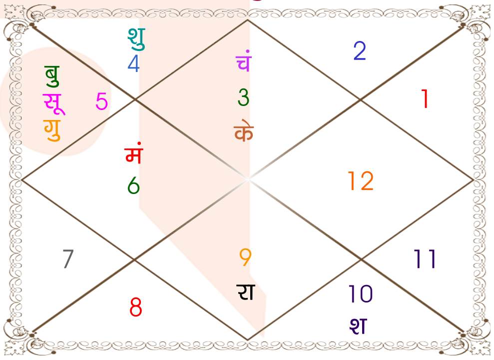

नवमांश कुंडली

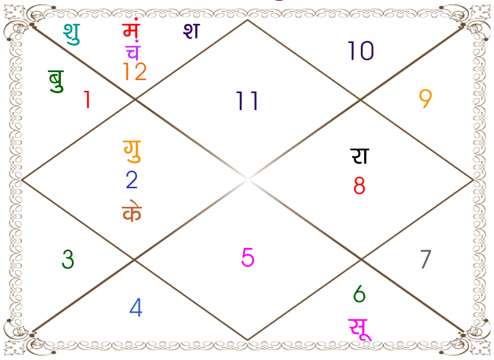

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 7 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
04/09/1991	**04/05/1992**	**04/05/2008**	**05/05/2027**	**04/05/2044**
04/05/1992	**04/05/2008**	**05/05/2027**	**04/05/2044**	**05/05/2051**
00/00/0000	गुरु 22/06/1994	शनि 08/05/2011	बुध 30/09/2029	केतु 30/09/2044
00/00/0000	शनि 02/01/1997	बुध 15/01/2014	केतु 27/09/2030	शुक्र 30/11/2045
00/00/0000	बुध 10/04/1999	केतु 24/02/2015	शुक्र 28/07/2033	सूर्य 07/04/2046
00/00/0000	केतु 16/03/2000	शुक्र 25/04/2018	सूर्य 04/06/2034	चंद्र 06/11/2046
00/00/0000	शुक्र 15/11/2002	सूर्य 07/04/2019	चंद्र 03/11/2035	मंगल 04/04/2047
00/00/0000	सूर्य 03/09/2003	चंद्र 05/11/2020	मंगल 30/10/2036	राहु 22/04/2048
00/00/0000	चंद्र 02/01/2005	मंगल 15/12/2021	राहु 20/05/2039	गुरु 28/03/2049
04/09/1991	मंगल 09/12/2005	राहु 21/10/2024	गुरु 25/08/2041	शनि 07/05/2050
मंगल 04/05/1992	राहु 04/05/2008	गुरु 05/05/2027	शनि 04/05/2044	बुध 05/05/2051

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
05/05/2051	**05/05/2071**	**04/05/2077**	**05/05/2087**	**04/05/2094**
05/05/2071	**04/05/2077**	**05/05/2087**	**04/05/2094**	**05/09/2111**
शुक्र 03/09/2054	सूर्य 22/08/2071	चंद्र 04/03/2078	मंगल 01/10/2087	राहु 14/01/2097
सूर्य 03/09/2055	चंद्र 21/02/2072	मंगल 03/10/2078	राहु 18/10/2088	गुरु 10/06/2099
चंद्र 04/05/2057	मंगल 28/06/2072	राहु 03/04/2080	गुरु 24/09/2089	शनि 17/04/2102
मंगल 04/07/2058	राहु 22/05/2073	गुरु 03/08/2081	शनि 03/11/2090	बुध 03/11/2104
राहु 04/07/2061	गुरु 10/03/2074	शनि 05/03/2083	बुध 31/10/2091	केतु 22/11/2105
गुरु 04/03/2064	शनि 20/02/2075	बुध 03/08/2084	केतु 28/03/2092	शुक्र 22/11/2108
शनि 05/05/2067	बुध 28/12/2075	केतु 04/03/2085	शुक्र 28/05/2093	सूर्य 16/10/2109
बुध 04/03/2070	केतु 04/05/2076	शुक्र 03/11/2086	सूर्य 03/10/2093	चंद्र 17/04/2111
केतु 05/05/2071	शुक्र 04/05/2077	सूर्य 05/05/2087	चंद्र 04/05/2094	मंगल 05/09/2111

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।